Bhajan ki lyrics

Bhajankilyrics

सांवेर की धरती हनुमत साजे चले है इनकी मर्जी

Downloaded on: May 3, 2025

सांवेर की धरती हनुमत साजे चले है इनकी मर्जी सांवेर की धरती हनुमत साजे, चले है इनकी मर्जी, सांवेर की धरती।। पाताल में जाकर जब बजरंग, अहरिवन राज मटिाते है, दलि बाग़ बाग़ हो जाता है, जब राम हृदय मुस्काते है, सुन के पतन की आवाजे, सुन के पतन की आवाजे, यु लगे कही वधि्वंस जगे, अरे राम लखन संग आते ही, सेना के मन संग हर्ष जगे, साँवेर की धरती हनुमत साजे, चले है इनकी मर्जी, सांवेर की धरती।। बजरंग बाबा की यह प्रतमिा, यहाँ उल्टा दर्शन देती है, ग़म कोसो दूर हो जाता है, कष्ट और पीड़ा हर लेती है, सुन जयसयिाराम के नारों से, सुन जयसयिाराम के नारों से, नगर गगन पूरा जगे, सांवेर नगर की यह भूमि, इंदौर उज्जैन के मध्य बसे, साँवेर की धरती हनुमत साजे, चले है इनकी मर्जी, सांवेर की धरती।। सांवेर की धरती हनुमत साजे, चले है इनकी मर्जी, सांवेर की धरती।।

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.